No. of Printed Pages : 4 **BPY-001**

01033

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2017

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **all five** questions.*

*(ii) **All** questions carry equal marks.*

*(iii) Answers to question no. 1 and 2 should not exceed **400** words.*

---

1. What do you understand by the belief that 'Knowledge is power' in the Western and Indian context ? Explain. 20

OR

Explain cosmology of Uddalaka as described in the Chandogya Upanishad. 20

2. Highlight the sublime teachings of Mundaka Upanishad. 20

OR

Make a detailed exposition of the C̄harvaka epistemology. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Distinguish between the structures of Samaveda and Atharvaveda. 10

(b) Examine the importance of the Doctrine of dependent origination in Buddhism. 10

(c) Explain the different theories of theology in the Vedas. 10

(d) Describe the nature of self, its realization and the means of realization in Katha Upanishad. 10

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) What are the three visualizations of creation in Aitareopanishad ? 5

(b) Describe the characteristics of self in Mandukya Upanishad. 5

(c) Explain the vision of life in Isha Upanishad. 5

(d) Point out the metaphysical views of Buddhism. 5

(e) Briefly explain the metaphysics of Charvaka. 5

(f) Give a brief account of the meaning and classification of Vedas. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) The concept of Rita 4

(b) Vedangas 4

(c) Yogacara school of Buddhism 4

(d) Triratnas in Jainism 4

(e) BhoomaVidya 4

(f) Analysis of mind in Indian tradition 4

(g) Videha Mukti 4

(h) Turiya 4

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2017
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ में इस विश्वास कि 'ज्ञान शक्ति है' से आप क्या समझते हैं? व्याख्या करें। **20**

अथवा

छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित उद्यालक के ब्रहमाण्ड-शास्त्र की व्याख्या कीजिए। **20**

2. मुण्डक उपनिषद की उत्कृष्ट शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

चार्वाक की ज्ञानमीमांसा को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

   (a) सामवेद और अथर्ववेद की संरचना के मध्य अन्तर कीजिए। **10**

   (b) बौद्ध दर्शन के प्रतीत्य - समुत्पाद सिद्धान्त के महत्व का परीक्षण कीजिए। **10**

(c) वेदों में प्रस्तुत विभिन्न ईश्वरशास्त्रीय सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 10

(d) आत्म की प्रकृति, इसकी अनुभूति और अनुभूति के साधनों का वर्णन कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(a) एतरेय उपनिषद् में सृष्टि-निर्माण के तीन प्रत्यक्षीकरण (visualization) कौन से हैं? 5

(b) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित आत्म के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए। 5

(c) ईशोउपनिषद् में प्रस्तुत जीवन-दर्शन की व्याख्या करें। 5

(d) बौद्ध-दर्शन के तत्वमीमांसीय विचारों को प्रस्तुत करें। 5

(e) चार्वाक की तत्वमीमांसा की संक्षेप में व्याख्या करें। 5

(f) वेदों के अर्थ एवं वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) ऋत का प्रत्यय 4

(b) वेदांग 4

(c) बौद्ध-दर्शन की योगाचार परम्परा 4

(d) जैन-दर्शन में त्रीरत्न 4

(e) भूमा विद्या 4

(f) भारतीय दार्शनिक परम्परा में मन का विश्लेषण 4

(g) विदेह मुक्ति 4

(h) तूरीय अवस्था 4